

11/06
24

आज पत्रा. पेश हुई। वाहीगण व उनके वकील की
 उपस्थित नहीं है। बार-बार आवाज लगावारी गई
 परन्तु कोई उपस्थित नहीं आये। वाहीगण व उनके
 वकील की अहम हाजरी व अहम पैरवी बखुबी
 शाबीत होती है। वाही का यह वाद-पत्र अहम
 हाजरी व अहम पैरवी में खारीज किया जाता है
 पत्रा. नम्बर से कम होकर दाखिल हफ्ता ही वाद
 आवश्यक नहीं।

